# Ganpati Aarti in hindi 2023

# Bharatsarkarsuvidha.in

For meaning scroll down see the meaning

जय गणेश जय गणेश,

जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती,

पिता महादेवा ॥

एक दंत दयावंत,

चार भुजा धारी ।

माथे सिंदूर सोहे,

मूसे की सवारी ॥

जय गणेश जय गणेश,

जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती,

पिता महादेवा ॥

पान चढ़े फल चढ़े,

और चढ़े मेवा ।

लड्डुअन का भोग लगे,

संत करें सेवा ॥

जय गणेश जय गणेश,

जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती,

पिता महादेवा ॥

अंधन को आंख देत,

कोढ़िन को काया ।

बांझन को पुत्र देत,

निर्धन को माया ॥

जय गणेश जय गणेश,

जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती,

पिता महादेवा ॥

'सूर' श्याम शरण आए,

सफल कीजे सेवा ।

माता जाकी पार्वती,

पिता महादेवा ॥

जय गणेश जय गणेश,

जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती,

पिता महादेवा ॥

----- Additional -----

दीनन की लाज रखो,

शंभु सुतकारी ।

कामना को पूर्ण करो,

जाऊं बलिहारी ॥

जय गणेश जय गणेश,

जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती,

पिता महादेवा ॥

**जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा**

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा

श्री गणेश

**जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा।**

**माता जाकी पार्वती , पिता महादेवा॥**

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा |

माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ||

अर्थ:

आपकी जय हो, हे भगवान गणेश, आपकी जय हो, हे भगवान गणेश, आपकी जय हो, हे भगवान गणेश देव।

आप माता पार्वती से उत्पन्न हुए हैं और भगवान शिव आपके पिता हैं।

**एक दंत दयावंत** चार **बंधधारी।**

**माथे पर तिलक सोहे , मूस की सवारी॥**

एक दन्त दयावंत, कार भुजाधारी |

माथे पर तिलक सोहे, मूसे की सवारी ||

अर्थ:

आपके पास एक दांत है, आप करुणा से भरे हैं और आपके चार हाथ हैं।

आपके माथे पर एक सुंदर सिंदूर का निशान है, और आप अपने वाहन (वाहक) पर सवार हैं जो एक चूहे के रूप में है।

**पान चढ़ें , फूल चढ़ें और चढ़ें मेवा ।**

**लदुअन को भोग लगे , संत करे सेवा ॥**

पान कढ़े, फूल कढ़े और कढे मेवा |

लड्डू को भोग लागे, संत करे सेवा ||

अर्थ:

भक्त आपको पान (सुपारी), फूल, मेवा (सूखे मेवे),

और लड्डू के रूप में मिठाई चढ़ाते हैं; संत आपको भक्ति सेवाएं प्रदान करते हैं।

**अंधे को आँख देता, कोड़ को काया ।**

**बंजन को पुत्र देत** निर्धन **को माया॥**

अंधे को आंख देत, कोद्धिन को काया |

बाँझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ||

अर्थ:

तू अंधों को दृष्टि देता है, और कोढ़ी को चंगा करता है।

तू बाँझ को सन्तान, और दरिद्र को धन देता है।

**सुरश्याम शरण आए सफल कीजे सेवा।**

**माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥**

सुरश्यं शरणं आ सफल कीजे सेवा |

माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ||

अर्थ:

हम दिन-रात तेरी इबादत करते हैं। कृपया हमें सफलता प्रदान करें।

आप माता पार्वती से उत्पन्न हुए हैं और भगवान शिव आपके पिता हैं।

## जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा॥

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ||

आपकी जय हो, हे भगवान गणेश, आपकी जय हो, हे भगवान गणेश, आपकी जय हो, हे भगवान गणेश देव।